

#### असाधारण

# EXTRAORDINARY

भाग II-लण्ड 3-उपखण्ड (ii)

PART II-Section 3-Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

# PUBLISHED BY AUTHORITY

**सं**० 226]

नई बिल्ली, मंगलबार, मई 31, 1977/ज्येष्ठ 10, 1899

No. 226]

NEW DELHI, TUESDAY, MAY 31, 1977/JYAISTHA 10, 1899

# इस भाग में भिन्म पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलम के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

### MINISTRY OF COMMERCE ORDER

IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 31st May 1977

- S.O. 376(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby makes the following order further to amend the Imports (Control) Order, 1955, namely:—
  - 1 This Order may be called the Imports (Control) Second Amendment Order, 1977.
  - 2 In the Imports (Control) Order, 1955,→
    - (a) Sub-clause 11(2)(a)(1) shall be amended to read as under
      - "(1) by hospitals or medical institutions for their own use, provided the cif value of such goods imported at any one time shall not exceed twenty five thousand rupees"
    - (b) Sub-clause 11(2)(b)(i) shall be amended to read as under --
      - "(i) by hespitals or medical institutions for their own use upto a ci.f. value of rupces one lakh in a financial year."

INO 12/771

A. S GILL.

Chief Controller of Imports & Exports.

(2023)

# वाणिज्य मंत्रालय

# श्रादेश

## द्यायात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, 31 मई, 1977

का० आ० 376(भ्र) — भ्रायात-निर्यात (नियन्नण) श्रधिनियम 1947 (1947 का 18), के खड 3 द्वारा प्रदत्त श्रधिकारों का प्रयोग कर केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा श्रायात (नियन्नण) भ्रादेण, 1955 में भ्रौर श्रागे सशोधन करने के लिये निम्नलिखित श्रादेश का निर्माण करती है, श्रथात —

- 1. इस म्रादेश को म्रायात (नियन्नण) द्वितीय सशोधन म्रादेश, 1977 की संज्ञा दी जाए।
- श्रायात (नियत्नण) श्रादेश, 1955 मे ——
  - (क) उप-धारा 11(2)(0)(1) की सशोधित करके निम्न प्रकार से पढा जाए
    - "(1) अपने निजी उपयोग के लिए श्रस्पतालो श्रौर चिकित्सा संस्थाओं द्वारा, बशर्ते कि एक ही समय में श्रायात के लिए माल का लागत-बीमा-भाड़ा मृत्य 25,000 रु० से श्रीधक नहीं होगा ।"
  - (ख) उप-धारा 11(2)(बी)(1) को सभोधिय करके निम्न प्रकार से पढा जाए :—
    - "(1) एक वित्तीय वर्ष मे अपने निजी उपयोग के लिए अस्पतालो या चिकित्सा संस्थाओं द्वारा वस्तुओं का लागत बीमा भाडा मूल्य एक लाख रुपये तक होना चाहिए ।"

[स॰ 12/77] ए॰ एस॰ गिल, मख्य नियद्गक, श्रायात-निर्यात ।